Open and Distance Learning: Its Importance in Present Day Society

Edited by :
Surjya Chutia

33. The Impact of Modern Technology on Distance Learning Process 311
Indrajit Mudoi, Durlav Pegu

34. Role of Distance Education with Special Reference to Assam 327
Mousoomi Phukan, Garima Borah

35. Distance Education in Globalization Period 339
Dipsikha Borah

36. Distance Education in the Age of Globalisation 345
Manjula Baruah, Bipasha Gogoi

37. Distance Education Challenge and Response in Developing Countries Taking India as Reference 352
Bhaskar Jyoti Pawe Pranab Dutta Sanjib Chutia

38. Distance Education: Current Issues and Future Implication 362
Amarjyoti Chutia, Ripunjoy Bora, Manuj Baruah

39. Role of Distance Education for Career Pursuit in Present Day Context 368
Nizara Deka

40. Distance Education in the Age of Globalization: An Overwhelming Desire towards Blended Learning 380
Tulika Das

41. Quality of Services provided under Distance Education A Case Study of KKHSOU 384
Jyoti Sah

42. Role and Development of Libraries in Distance Education : With special reference to the Directorate of Distance Education, Dibrugarh University 398
Deepshikha Dutta

43. Value in Professional Education 407
Dr. Raghu Nath Yadav

Open And Distance Learning: Its Importance in Present Day Society

Declaration:
The views and opinions expressed in this book are that of the paper contributors and the facts are as reported by the contributors have been verified to the extent possible. The publisher and the editor are not in any way liable for the same.

ISBN -978-93-83308-50-9

First edition :
2016

Price :
650/-

Printed at:
The Assam Computers
Tinsukia-786125, Assam

This book is sold subject to the condition that it shall not, by way of trade or otherwise be lent, resold, hired out, or otherwise circulated without the publisher's prior written consent in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser and without limiting the rights under copyright reserved above, no part of this publication may be reproduced, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted in any form or by any means (electronic, mechanical, photo copying, recording or otherwise) without the prior written permission of both the copyright owner and the

50 Years

PRATYUSH

(An Endeavour of Women's Studies & Development Cell)

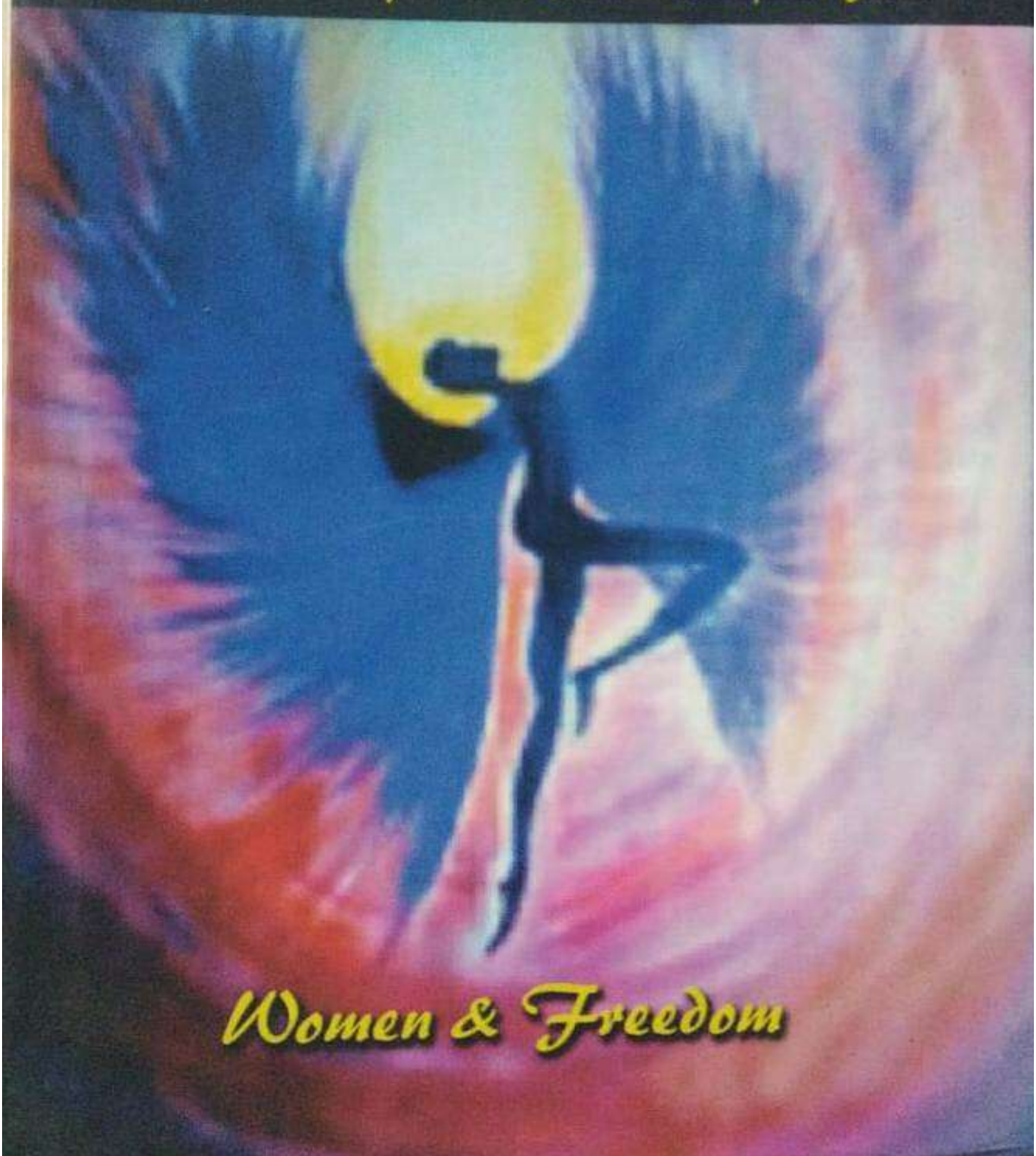

Women & Freedom

20. Position of Women as depicted in the Janakiharana of Kumaradasa
Sangita Bora 178

21. Role of Women in Mass Media : special reference to India
Geetimoni Phukan 182

SECTION - II

1. मैनेजर पाण्डेय की आलोचना में स्त्री स्वाधीनता और मुक्ति की चेतना
दैबश्री सिन्हा 187

2. 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' तथा 'रुकोगी नहीं राधिका' में स्त्री स्वाधीनता की चेतना : एक अध्ययन
रागिनी मल्लिक 196

3. कार्बी नारी : काबोन नेली तिमुंङपी के विशेष संदर्भ में
थेसो क्रोपी 206

4. भारतीय परिप्रेक्ष्य में नारी-विमर्श
रघुनाथ यादव 213

SECTION - III

1. দেৱবালা চলিহা ঃ এগৰাকী অসমীয়া উদ্যোগী মহিলা
অসীমা বৰা 219

2. ৰবীন্দ্রনাথৰ দৃষ্টিৰে পৌৰাণিক কাব্যৰ উপেক্ষিতা নাৰী চৰিত্র
ভাৰতী চক্রৱর্তী শর্মা 224

3. মৰাণ জনগোষ্ঠীৰ মহিলাসকলৰ মাজত প্রচলিত লোকগীত
মল্লিকা মৰাণ 230

List of Contributors 237

Women's College, Tinsukia.

Advisor :

Dr. Anjali Goswami

Board of Editors :

Dr. Theso Kropi

Surabi Dutta

Suman Sahu

© All rights reserved

ISBN : 978-93-81667-39-2

Published by :

Women's Studies and Development Cell,

Women's College, Tinsukia

From : Arun Prakashan, Panbazar, Guwahati- 781001

Year of Publication : 2016

First Edition : July, 2016

Layout : Lokenath Enterprise, C. K. Road,

Panbazar, Guwahati– 781001

Price : Rs. 200.00

Printed at : Sunbeam Offset, 1- Sankardev Path, Rupnagar, Guwahati - 781032

e-mail: anujkmazumdar@gmail.com

ISSN 0973-3914

RESEARCH JOURNAL OF SOCIAL AND LIFE SCIENCES

HALF YEARLY, BILINGUAL (English/Hindi)

A REGISTERED REVIEWED/REFEREED RESEARCH JOURNAL
Indexed & Listed at: Ulrich's International Periodicals Directory©, ProQuest, U.S.A (Title Id: 715205)

अंक-XXVIII-III हिन्दी संस्करण वर्ष-14 जून, 2019

UGC JOURNAL NO.40942
IMPACT FACTOR 3.938

JOURNAL OF
Centre for Research Studies
Rewa-486001 (M.P.) India
Registered under M.P. Society Registration Act, 1973, Reg. No. 1802, Year-1997
www.researchjournal.in

UGC Journal No. 40942,
Impact Factor 3.928, ISSN 0973-3914
Vol.- XXVIII, Hindi-III, Year-14, June, 2019

तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका एवं प्रसंगिकता

• रघुनाथ यादव

सारांश- विश्व के ग्लोबल गांव मे तब्दील हो जाने के बाद से दुनियाभर के साहित्य को जानने की जिज्ञासा बलवती हुई है। साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के द्वारा वैचारिक साम्य अथवा वैषम्य प्रदर्शित करने के लिए अनुवादक की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। वह एक तरह से सध्यस्थ की भूमिका में है। अनुवादक केवल दो भाषाओं का जानकार ही नहीं होता, बल्कि वह भाषा के साथ-साथ भौगोलिक, सांस्कृतिक परिवेश से भी अवगत होता है, जो भावार्थ समझने में सहायता करता है। प्रस्तुत शोध पत्र में तुलनात्मक साहित्य में अनुवादक की भूमिका पर विचार करते समय आने वाली कठिनाइयों और उसके समाधान पर प्रकाश डाला गया है।

मुख्य शब्द- तुलनात्मक साहित्य, बहुसंस्कृतिवाद, मूलचेतना

प्रस्तावना-

तुलनात्मक साहित्य शब्द अंग्रेजी के 'कम्परेटिव लिटरेचर' का ही प्रतिरूप है। अंग्रेज कवि मैथ्यू आर्नल्ड ने सबसे पहले सन् 1848 में अपने एक पत्र में 'कम्परेटिव लिटरेचर' पद का उल्लेख किया था। तुलनात्मक साहित्य का आशय है वह विद्या-शाखा जिसमें दो या दो से अधिक भिन्न भाषायी, राष्ट्रीय या सांस्कृतिक समूहों के साहित्य का अध्ययन किया जाता है। दो भाषाओं के साहित्य की तुलना करना इसका मुख्य अंग है। वस्तुत: यह दो या दो से अधिक अलग-अलग भाषा साहित्य को पढ़ने की एक विशेष पद्धति है। तुलनात्मक साहित्य के संबंध में इंद्रनाथ चौधुरी लिखते हैं, ''हिन्दी में तुलनात्मक साहित्य पर पहली पुस्तक सन् 1982 में मेरे द्वारा लिखित 'तुलनात्मक साहित्य की भूमिका' प्रकाशित हुई थी। वस्तुत:

आई एस एस एन 0973-3914

रिसर्च जरनल ऑफ सोशल एण्ड लाइफ साइन्सेस

पंजीकृत रिव्यूड/रेफर्ड रिसर्च जरनल

A Registered Reviewed/ Refereed

U.G.C. Journal No. 40942, Impact Factor 3.928
Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, ProQuest, U.S.A. Title Id : 715205

अंक-XXVIII-III हिन्दी संस्करण वर्ष-14 जून, 2019

प्रधान सम्पादक

प्रोफेसर ब्रजगोपाल

सेवानिवृत्त आचार्य, उच्च शिक्षा
प्रतिष्ठित भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवार्ड से सम्मानित
profbrajgopal@gmail.com

ऑनरेरी सम्पादक

डॉ. अखिलेश शुक्ल

प्राध्यापक, समाजशास्त्र एवं समाजकार्य विभाग
उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, नैक 'ए' ग्रेड शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
प्रतिष्ठित भारतेन्दु हरिश्चन्द्र एवार्ड तथा पं. गोविन्द वल्लभ पंत एवार्ड से सम्मानित
akhileshtrscollege@gmail.com

डॉ. संध्या शुक्ल

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग
उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, नैक 'ए' ग्रेड शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)
drsandhyatrs@gmail.com

डॉ. गायत्री शुक्ल

अतिरिक्त निदेशक, सेन्टर फॉर रिसर्च स्टडीज, रीवा
shuklagayatri@gmail.com

डॉ. आर. एन. शर्मा

सेवानिवृत्त आचार्य, उच्च शिक्षा, रीवा
rnsharmanehru@gmail.com

सेन्टर फॉर रिसर्च स्टडीज, रीवा की मुख्य शोध पत्रिका
म.प्र. सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1973 के अंतर्गत पंजीकृत
पंजीयन क्रमांक 1802, सन् 1997

EXCELLENCE INTERNATIONAL JOURNAL OF EDUCATION AND RESEARCH

(EIJER)

Multilingual Journal For All Subjects

ISSN 2349-8838

IMPACT FACTOR : 5.088

Monthly

Volume : V Issue : X - II

October, 2018

A peer reviewed and refereed international journal

Editor-in-Chief

Dr. Mujibul Hasan Siddiqui

M.A (Economics), M.Ed,
M.Phil(Education), Ph.D (Education),
PGDHE, PGDDE, MADE, CCIPALA, CCCA,
D.Litt (Education) Persuing
Associate Professor
Department of Education
Aligarh Muslim University

Website : www.ocwjournalonline.com

12. Changing role of regional media in Assam with special reference to its focus on the socio-economic and identity issues of the Tea garden community
Dr. Dip Jyoti Bhuyan 256
13. The Tradition of Bell Metal Works of Sarthebari, Assam
Dipika Das 264
14. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की साहित्य साधना : एक विवेचन
संगीता कुमारी पासी 271
15. मीडिया और समाज : उत्तर-आधुनिकतावाद के विशेष संदर्भ में
डॉ रघु नाथ यादव 277
16. उषा प्रियंबदा और अरूपा पटंगीया कलिता के उपन्यासों में नारी चेतना : एक तुलनात्मक विवेचन ('शेष यात्रा' और 'मृगनाभि' के विशेष संदर्भ में)
मीनाक्षी देवी 284
17. বিশ্লেষাত্মক দৃষ্টিৰে সাম্প্ৰতিক নব-প্ৰজন্মৰ মাজত অসমীয়া ভাষা-সংস্কৃতিক প্ৰমুল্য সম্পৰ্কে এক চমু অবলোকন
অনুভা কলিতা 288
18. শঙ্কৰদেৱৰ সাহিত্যত হাস্য-ব্যঙ্গ্য
ড° দুলুমনি ডেকা 297
19. বড়ো সাহিত্য-সংস্কৃতিলৈ বিষ্ণু ৰাভাৰ অৱদান
ৰীতা বড়ো 306
20. অসমৰ জনজাতীয় লোকআভৰণ ঃ এটি সমীক্ষাত্মক অধ্যয়ন (চাৰিটা জনগোষ্ঠীৰ বিশেষ উল্লিখনসহ)
ৰীতু গগৈ 315
21. লক্ষ্মীধৰ শর্মাৰ 'বিদ্রাহিনী' গল্পৰ 'ললিতা' চৰিত্ৰৰ আলোচনা
বিৰজা ৰাভা 322
22. শিশুৰ মাতৃভাষাৰ বিকাশত পৰিয়াল আৰু সমাজৰ ভূমিকা (প্ৰসঙ্গ অনুসৰি অসমীয়া ভাষাৰ বিশেষ উল্লিখন সহ)
মছফিয়া খাতুন 329
23. শংকৰদেৱৰ ৰচনাত পৰিৱেশ সচেতনতা ঃ এটি অধ্যয়ন
আজিজুৰ ৰহমান চৰকাৰ 334
24. অসমৰ সত্ৰ উদ্ভাবক মহাপুৰুষ শঙ্কৰদেৱ আৰু সত্ৰসমূহৰ শৈক্ষিক কাৰ্যপ্ৰণালী
নন্দিতা গোস্বামী 343

Peer Reviewed Referred
and UGC Listed Journal
(Journal No. 40776)

ISSN 2277 - 5730
AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY
QUARTERLY RESEARCH JOURNAL

AJANTA

Volume-VIII, Issue-I
January - March - 2019
Marathi / Hindi Part - II

IMPACT FACTOR /
INDEXING 2018 - 5.5
www.sjifactor.com

Ajanta Prakashan

CONTENTS OF HINDI PART - II

अ.क्र.	लेख आणि लेखकाचे नाव	पृष्ठ क्र.
१	'अकाल में उत्सव' : क्रियाकर्म बनाम कार्यक्रम **वैशाली**	१-५
२	मालती जोशी और आशा बगे की कहानियों भाषा तुलनात्मक अध्ययन **डॉ. अनिल साळुंखे**	६-१०
३	हिन्दी में दलित कविता का स्वरूप एवम् विकास **प्रा. डॉ. एम. ए. काजी**	११-१३
४	डॉ. भूपेन हाजरिका के गीतों का एक सौन्दर्यात्मक विश्लेषण **डॉ. नुरजाहान रहमातुल्लाह**	१४-२२
५	उग्र राष्ट्रवाद को गढ़ता मीडिया **डॉ. सरिता तिवारी**	२३-२६
६	कथक कलाकार के लिये पखावज तबला तालीम की अनिवार्यता **शशिकांत शर्मा** **प्रो. वंदना चौबे**	२७-२८
७	मालवा की धार्मिक परंपराएँ और स्त्रियाँ **निरूपा उपाध्याय**	२९-३२
८	कबीर के काव्य में भाषा सौन्दर्य गुण **अनिल पुत्र श्री गोविन्द राम**	३३-३९
९	अनुवाद का महत्व : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में **रघुनाथ यादव**	४०-४९
१०	राकेश के नाटकों में चित्रित स्त्री पुरुष संबंध : एक अध्ययन **संगीता कुमारी पासी**	५०-५६
११	सुचना तकनीकी संचार का खेलों में उपयोग भारतीय परिपेक्ष्य में **डॉ. ममता**	५७-६०

ISSN 2249-8486

पंजीकरण संख्या
UPHIN 41 252/24/1/2010-TC

अनुसंधान विमर्श

शोध पत्रिका

वर्ष-5 अंक-9.10
जुलाई-दिसम्बर 2015
एवं जनवरी-जून 2016

अनुसंधान विमर्श ISSN 2249-8486

अंक: 9-10 [जुलाई – दिसम्बर 2015+ जनवरी- जून 2016]

विषय सूची :

1- राही मासूम रज़ा के उपन्यासों में सांस्कृतिक चेतना / कु. अम्बरीन रियाज़ मागरे (पृष्ठ- 5-20)
2- Teaching of Vernacular Language in Mauritius : The case of Bhojpuri / Geerjanandsingh Bissessur (Arvind) (Page- 21-28)
3- Introducing the Hindi alphabet : The apt method / Dr. Prachi Chaturvedi (29-32)
4- Cloud Computing in development of the Developing Nations / Pranjal Mathur (33-39)
5- भूमण्डलीकरण के दौर में अनुवाद का महत्त्व / डॉ. रघुनाथ यादव (40- 44)
6- साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण / डॉ. सुमित मोहन (45-47)
7- गाँधीवाद और हिंदी कविता / डॉ. भारत श्रीमंत खिलारे (48-52)
8- तागिन लोककथाओं में आदर्श भारतीय नारी की छवियाँ / तारो सिंदिक (53-58)
9- "शेष कादम्बरी" और नारी अस्मिता की समस्या / डॉ. गुंजन (59-64)
10- "उर्वशी"का प्रतिपाद्य / प्रीति यादव (65-67)
11- भारतीय साहित्य में नारी चेतना / स्नेहलता (68-70)
12- "निराला"की सर्वोत्कृष्ट कविता "राम की शक्तिपूजा" का शक्तिसंदर्भ / डॉ. लाल सिंह (71-81)
13- बिम्ब-विधान के संदर्भ में महाकवि "निराला" का काव्य / सुप्रिया मिश्रा (82-87)
14- कला के क्षेत्र में सफल कलाकार बनने के आवश्यक तत्त्व / ओमप्रकाश कटारे (88-91)
15- सितार एवं सितार-वादन-कला और उसके भविष्यकी सम्भावनाएँ / डॉ. डॉली कश्यप (92-94)
16- लखनऊ शहर में अल्पसंख्यक भाषाओं के शिक्षण का समाज भाषावैज्ञानिक अध्ययन / डॉ. रजनी सुवर्चन (95-100)
17- "द्वितीय भाषा" के रूप में अहिंदी भाषी बच्चों को हिंदी शिक्षण / डॉ. राज कुमार (101- 109)
18- दलित स्त्री चेतना के निर्माण में नवजागरण का योगदान / डॉ. नीतू बंसल (110 - 113)
19- चित्रा मुद्गल की कहानियों में नारी जीवन की समस्याएँ / डॉ. मनीषा शर्मा (114-122)

◆◆◆◆